ई-संदेश

19 जून, 2025 | अंक 158

सात दिन – सात पृष्ठ

माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी से भेंट करते मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी

- शिक्षा सर्वांगीण विकास का माध्यम होनी चाहिए : मुख्यमंत्री
- राज्य के सभी जनपदों के युवा उ0प्र0 पुलिस बल का हिस्सा बन रहे : मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना में किसानों के साथ बटाईदार, कृषि श्रमिक और किसानों के पारिवारिक सदस्य भी शामिल: मुख्यमंत्री
- समय से परियोजना पूरी होने से जनमानस को मिलता है लाभ : मुख्यमंत्री

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

शिक्षा सर्वांगीण विकास का माध्यम होनी चाहिए : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि शिक्षा को संस्कारों, तकनीक और खेल से जोड़ना आज की आवश्यकता है। शिक्षा सर्वांगीण विकास का माध्यम होनी चाहिए। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू किया था। इसके अच्छे परिणाम सामने आने वाले हैं। विगत 08 वर्षों में हम प्रदेश की माध्यमिक और स्कूली शिक्षा की तकदीर व तस्वीर को बदलने में सफल हुए हैं।

मुख्यमंत्री जी 12 जून, 2025 को यहां लोक भवन में विभिन्न बोर्डों के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान करने के उपरान्त इस अवसर पर आयोजित 'मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह' को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने लगभग 122 करोड़ रुपये लागत की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने 68वीं राष्ट्रीय विद्यालयी खेलों के स्वर्ण पदक विजेताओं को 'मुख्यमंत्री विद्यालयी खेल पुरस्कार' का वितरण किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि परीक्षा छात्रों के आकलन का माध्यम होनी चाहिए। परीक्षा पद्धति ऐसी होनी चाहिए, जो छात्रों में प्रतिस्पर्धा का भाव विकसित करे तथा उनमें चुनौतियों से जूझने की क्षमता उत्पन्न करे। इसके लिए सभी छात्र-छात्राओं को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की पुस्तक 'एग्जाम वारियर' का अध्ययन करना चाहिए। बच्चे इस पुस्तक को पढ़ें और प्रधानमंत्री जी की महत्वपूर्ण बातों को अंगीकार करें, तो अनेक चुनौतियां आसान हो जाएगी। माध्यमिक शिक्षा परिषद हर वर्ष मेरीटोरियस छात्रों को यह पुस्तक उपलब्ध कराए। यह पुस्तक प्रत्येक विद्यालय की लाइब्रेरी में होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के परिणाम बहुत चौंकाने वाले हैं। हाईस्कूल की परीक्षा में इस वर्ष प्रदेश में 27 लाख 32 हजार विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे। इंटरमीडिएट की परीक्षा में प्रदेश में कुल 27 लाख 05 हजार छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए थे। परीक्षाओं में बालिकाओं की अपेक्षा बालक ज्यादा शामिल हुए। लेकिन परिणाम में बालिकाएं ज्यादा आगे रही हैं। परिणाम दर्शाते हैं की बालिकाएं ज्यादा मेहनत करती हैं। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की प्रदेश सूची में हाईस्कूल की परीक्षा में टॉप 10 रैंक में 24 बालक तथा 43 बालिकाएं है। इंटरमीडिएट की परीक्षा में 06 बालक तथा 24 बालिकाएं मेरिट में आई हैं। प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को 01 लाख रुपये नकद, टैबलेट, मेडल तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। जनपद स्तर पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 21 हजार रुपये, टैबलेट, प्रशस्ति पत्र तथा मेडल प्रदान किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा के 68 वीं राष्ट्रीय विद्यालयी खेल प्रतियोगिता में हमारे छात्रों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। यह खेल देश के अलग-अलग भागों में तथा प्रदेश के तीन स्थानों आयोजित हुए थे। प्रधानमंत्री जी के खेलो इण्डिया व फिट इण्डिया मूवमेण्ट से प्रेरित होकर प्रदेश के युवाओं ने इन खेलों में अच्छा प्रदर्शन किया है। इस खेल प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के 363 खिलाड़ी छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया था, जिन्होंने कुल 179 पदक प्राप्त किए। इनमें 51 स्वर्ण, 46 रजत तथा 82 कांस्य पदक शामिल है। कुल 87 खिलाड़ियों ने एकल व टीम गेम्स में प्रतिभाग़ किया और 51 स्वर्ण पदक प्रदेश को दिलाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में जिन खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त किया है, उन्हें भी सम्मानित करने का कार्य यहां हो रहा है। इसके अन्तर्गत स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को 75 हजार रुपये, रजत पदक प्राप्त करने पर 50 हजार रुपये तथा कांस्य पदक प्राप्त करने पर 30 हजार रुपये प्रदेश सरकार की ओर से प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान किये जा रहे हैं। टीम गेम्स में स्वर्ण पदक पर 35 हजार रुपये, रजत पदक पर 25 हजार रुपये तथा कांस्य पदक पर 15 हजार रुपये की धनराशि प्रोत्साहन स्वरुप दी जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज यहां उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद और संस्कृत शिक्षा निदेशालय के नए भवन की आधारशिला भी रखी गई है।संस्कृत को प्रोत्साहित किए जाने की आवश्यकता है। यह भारतीय संस्कृति की आत्मा और आधारशिला दोनों है। वर्तमान में संस्कृत की मान्यता उन्हीं संस्थाओं को दी जा रही है, जो विद्यार्थियों के रहने व खाने की व्यवस्था करते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रोजेक्ट अलंकार के तहत निजी प्रबंधन के द्वारा संचालित व सरकार से सहायता प्राप्त संस्थाओं के जर्जर भवनों के नवीन निर्माण के लिए 75 प्रतिशत धनराशि सरकार देती है तथा 25 प्रतिशत धनराशि निजी प्रबन्धन अपने स्रोत से जुटाते हैं। बड़ी संख्या में इसके अन्तर्गत विद्यालयों का पुनरुद्धार हुआ है।

प्रदेश के संस्कृत विद्यालयों के जर्जर भवनों के लिए भी सरकार ने व्यवस्था की है। इसके तहत निजी प्रबन्धन 05 प्रतिशत धनराशि देते हैं और 95 प्रतिशत धनराशि सरकार देती है। यह सरकार के स्तर पर एक नया इनीशिएटिव है, जिसे आगे बढ़ाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा विभाग तथा टाटा नेल्को व जापानी कम्पनी यास्कावा के साथ एक एम0ओ0यू0 किया गया है, जिसके अन्तर्गत पहले चरण में माध्यमिक शिक्षा से जुड़े सरकारी कॉलेजों को लिया गया है। इसके अन्तर्गत हम परम्परागत शिक्षा के साथ-साथ स्किल डेवलपमेंट के कार्यक्रमों को भी विद्यार्थियों को सिखा सकेंगें। यह विद्यार्थियों में स्केल के साथ स्किल के विकास में सहायक होगा। ड्रीम लैब (डिजाइन रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग) की स्थापना का यह कार्यक्रम लगभग 162 करोड़ 72 लाख रुपये की लागत से संचालित किया जाएगा, जिसमें समग्र शिक्षा द्वारा 77 करोड़ रुपये की धनराशि वहन की जाएगी। इससे बच्चों को आधुनिक तकनीक का ज्ञान देने के साथ-साथ उनके स्किल डेवलपमेण्ट में भी सहायता मिलेगी।ड्रीम योजना हब एण्ड स्पोक मॉडल पर आधारित होगी। इसके अन्तर्गत एक संस्थान में लैब स्थापित होगी, जिससे तीन संस्थान जुड़ेंगे।

यह ऑनलाइन या फिजिकल माध्यम से प्रशिक्षण लेंगे। यह योजना उत्तर प्रदेश के नौजवानों को आगे बढ़ाने की लिए एक प्रेरणा है। तकनीकी की जानकारी और प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए यह छात्र आने वाले समय में प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत अभियान का हिस्सा बन सकेंगे। यह एक अभिनव प्रयोग है। ड्रीम कार्यक्रम प्रदेश के लगभग 01 करोड़ 20 लाख हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट के छात्रों के तकनीकी उन्नयन की दृष्टि से अत्यन्त लाभदायक होगा।

राज्य के सभी जनपदों के युवा उ0प्र0 पुलिस बल का हिस्सा बन रहे : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 15 जून, 2025 को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के साथ यहां लखनऊ में डिफेंस एक्सपो ग्राउण्ड में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के अन्तर्गत चयनित 60,244 आरक्षी नागरिक पुलिस को नियुक्ति पत्र वितरण के लिए आयोजित भव्य कार्यक्रम में उपस्थित रहे। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। 60 हजार से अधिक युवा जो प्रदेश के हर समाज, जाति, हर जनपद व तहसील का प्रतिनिधित्व करते हैं, वह सभी आज से भारत के सबसे बड़े पुलिस बल का अभिन्न हिस्सा बनने जा रहे हैं। वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में हमारी सरकार बनने पर उत्तर प्रदेश पुलिस नई बुलन्दियों को हासिल करने की ओर अग्रसर है। उन्होंने नव चयनित आरक्षियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये।

इस अवसर पर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी श्री अमित शाह जी ने कहा कि प्रदेश पुलिस बल में पहले भी कई भर्तियां हुई हैं, लेकिन इस बार यह संख्या सबसे अधिक है। संख्या से ज्यादा यह महत्वपूर्ण है कि 60,244 युवाओं में से किसी को भी कोई भी रिश्वत नहीं देनी पड़ी। यह भर्ती पूरी पारदर्शिता के साथ सम्पन्न हुई है।

48 लाख आवेदनों में से 60,244 युवा अपनी योग्यता के आधार पर चयनित होकर आये हैं। किसी भी शासन के लिए इससे बड़ी उपलब्धि नहीं हो सकती है। इस भर्ती में 12 हजार से अधिक बेटियां हैं। उनका हौसला, आत्मविश्वास तथा आनन्द देखकर प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस बल में 60,244 पुलिस बल की भर्ती एवं नियुक्ति पत्र वितरण का कार्यक्रम ऐसे समय में सम्पन्न हो रहा है, जब सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के प्रधानमंत्री जी के 11 वर्षों का कार्यकाल पूर्ण हो रहा है। नए भारत में हर भारतवासी के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए बिना भेदभाव के शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य हुआ है। आज का यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व और गृह मंत्री जी के मार्गदर्शन का परिणाम है। उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों के 826 विकास खण्डों तथा 762 नगर निकायों से युवा उत्तर प्रदेश पुलिस बल का हिस्सा बन रहे हैं। आज का कार्यक्रम हमारी प्रतिबद्धता, सुशासन की सिद्धि और सुरक्षा के संकल्प का एक जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने स्मार्ट पुलिसिंग के कुछ सूत्र दिए हैं। इनमें स्ट्रिक्ट एवं सेंसिटिव, मॉडर्न एवं मोबाइल, अलर्ट एवं अकाउंटेबल, रिलायबल एवं रेस्पॉन्सिव तथा टेक्नो-सेवी एवं ट्रेण्ड शामिल हैं। स्मार्ट पुलिस बल आज की आवश्यकता है। पुलिस बल की भर्ती की प्रक्रिया प्रारम्भ की।

मुख्यमंत्री जी ने सभी नवचयनित आरक्षियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्दीधारी बल का एक नियम है कि प्रशिक्षण में जितना पसीना बहेगा, जीवन में उतना ही कम खून बहाने की नौबत आएगी। जवाबदेही के साथ प्रशिक्षण पूर्ण करें। पुलिस बल का दोस्ताना व्यवहार तथा उनकी संवेदना एक कॉमन मैन की समस्या का समाधान करने का माध्यम बनें। महाकुंभ प्रयागराज-2025 में उत्तर प्रदेश पुलिस बल के संवेदनशील व्यवहार की प्रशंसा हुई थी। सामान्य समय में भी पुलिस को संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। उत्तर प्रदेश पुलिस ने प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेश के परसेप्शन को बदलने का कार्य किया है। अब आप देश के सबसे बड़े पुलिस बल का हिस्सा बन रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी नवचयनित आरक्षी उत्तर प्रदेश पुलिस बल के माध्यम से प्रदेश सहित देश की बेहतरीन सेवा कर अपने को साबित करेंगे।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना में किसानों के साथ बटाईदार, कृषि श्रमिक और किसानों के पारिवारिक सदस्य भी शामिल: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 16 जून, 2025 को जनपद अम्बेडकरनगर के विकास की 1184 करोड़ रुपये लागत की 194 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। ज्ञातव्य है कि इन परियोजनाओं में 102 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 92 परियोजनाओं का शिलान्यास सम्मिलित है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत अन्नदाता किसानों के आश्रित परिजनों को 05-05 लाख रुपये के प्रतीकात्मक चेक प्रदान किये।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आज हम एक नए भारत में रह रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में नया भारत विकास भी करता है और अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति भी करता है। आज जनपद अम्बेडकरनगर के विकास की जिन परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जा रहा है, वह परियोजनाएं विरासत और विकास का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। अम्बेडकरनगर जनपद त्रेता युग के प्रारम्भिक काल का साक्षी है। इसके पर्यटन विकास की एक बड़ी योजना पर सरकार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि श्रवण धाम, शिव बाबा धाम, अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण और काशी में श्री काशी विश्वनाथ धाम के माध्यम से हम अपनी विरासत को आगे बढ़ते हुए देख रहे हैं। विरासत और विकास का यह अद्भुत संगम हमारे देश व प्रदेश को एक नई पहचान दे रहा है। आज जनपद अम्बेडकरनगर से पूरे उत्तर प्रदेश के 11,690 अन्नदाता किसान परिवारों के लिए 561 करोड़ 86 लाख रुपये की धनराशि का वितरण मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के माध्यम से हो रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार किसान परिवारों के हितों का संरक्षण करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने मिशन रोजगार के तहत चयनित चिकित्सकों, पंचायत सहायकों, आशा वर्कर्स तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों व मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के लाभार्थियों को ऋण तथा श्रमिक आश्रितों को सहायता राशि के प्रतीकात्मक चेक प्रदान किये। मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को आवास की चाभी, कृषि यंत्र तथा महिला उप निरीक्षकों को टैबलेट का वितरण भी किया।

समय से परियोजना पूरी होने से जनमानस को मिलता है लाभ : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 16 जून, 2025 को वाराणसी में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ बैठक कर जनपद में विकास कार्यों एवं कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री जी ने जनपद में गतिमान विकास परियोजनाओं को युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि परियोजनाएं समय से पूर्ण होने से शासन की मंशा के अनुरूप जनमानस शीघ्र लाभान्वित होने लगता है। उन्होंने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को कानून व्यवस्था को सुदृढ़ किए जाने के साथ ही आम जनमानस की समस्याओं का प्राथमिकता पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने नगर आयुक्त को स्वच्छता का मैसेज लगातार प्रसारित कराने, अभियान चलाने, कूड़ा घरों की नियमित मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सरकारी कार्यालयों में साफ सफाई रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया जाए तथा पुलिस कार्मिकों द्वारा स्वच्छता के दृष्टिगत श्रमदान किया जाए। सड़क पर अवैध अतिक्रमण पर लगातार अभियान चलाया जाए।

नगर निगम द्वारा पुलिस तथा स्ट्रीट वेंडर एसोसिएशन के साथ मिलकर सड़कों पर अतिक्रमण न होने पाए, इस पर नजर रखी जाए। अवैध होर्डिंग्स के विरुद्ध अभियान चलाने तथा डिजिटल डिस्प्ले को बढ़ावा दिया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सनातन धर्म की प्राचीनतम नगरी काशी में पदस्थापित होना सौभाग्य की बात है। सभी विभाग बेहतर परफॉर्म करें। उन्होंने नगर निगम को शहरी एवं पंचायतीराज विभाग को ग्रामीण स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद में गतिमान पी0 डब्ल्यू0डी0, सेतु निगम, जलनिगम आदि की विभिन्न परियोजनाओं को समयबद्ध करने के निर्देश देते हुए कहा कि परियोजनाओं में विलम्ब से अनावश्यक व्यय भार बढ़ता है और गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। इसलिए हर हाल में सभी परियोजनाओं का कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने सड़कों के मीडियन पर व्यवस्थित वृक्षारोपण एवं उनकी समुचित सिंचाई का प्रबन्ध रखने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि शहर के चौराहों, भीड़भाड़ वाले संकरे स्थलों पर आवागमन बाधित न हो, इसके लिए स्ट्रीट वेंडरों को व्यवस्थित किया जाए।

शहर में ई-रिक्शा, टेम्पो तथा सड़कों के किनारे खड़े ट्रकों आदि का सत्यापन कराया जाए, जिससे संदिग्ध लोगों की पहचान हो सके। पुलिस परसेप्शन बेहतर किए जाने हेतु और प्रभावी तरीके से कार्यवाही की जाए। सड़क सुरक्षा, गौ-तस्करी पर सतर्क नजर रखते हुए फुट पेट्रोलिंग बढ़ायी जाए।मुख्यमंत्री जी ने विशेष रूप से बल देते हुए कहा कि थानों एवं पुलिस लाइनों की कार्य प्रणाली की नियमित समीक्षा होनी चाहिए। सभी विभाग समय से जनसुनवाई करें।उन्होंने आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को जन सहभागिता के साथ भव्य तरीके से कराए जाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि वरुणा एवं अस्सी नदी के पुनरुद्धार हेतु जनसहभागिता के साथ प्रभावी कार्य योजना बनाई जाए। वरुणा नदी के सुंदरीकरण के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार कर तद्नुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने पर बल दिया जाए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण एवं सिटी फॉरेस्ट विकसित किया जाए। इस कार्य में स्वैच्छिक एवं सामाजिक संगठनों के साथ जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए।

आरक्षी नागरिक पुलिस नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम की झलकियां

विशिष्ट मुलाकातें

राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में भारत की माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 18 जून, 2025 को शिष्टाचार भेंट की।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से राजभवन में 13 जून, 2025 को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने शिष्टाचार भेंट की।

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित